2 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द

2 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द नीचे दिए गए हैं:

ढाबा	ढस	ढाला
ढक	ढई	ढब
ढह	ढांचा	ढत
ढड	ढोंगी	ढय
ढोंग	ढाही	ढील
ढाई	ढघ	ढीला
ढूंढा	ढत्र	ढाका
ढज्ञ	ढाल	ढव
ढभ	ढल	ढण
ढोल	ढठ	ढक्ष
ढाठा	ढफ	ढश

3 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द

3 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द नीचे दिए गए हैं:

ढेकना	ढिलाई	ढूंढते
ढफलि	ढपली	ढींगली
ढकनी	ढेकुली	ढलान
ढिढोरा	ढाढ़स	ढपली
ढमक	ढोकर	ढचर
ढहना	ढींगली	ढपना
ढोकला	ढोयग	ढहना
ढोलिया	ढीमर	ढचर
ढ़बर	ढिधाय	ढकन

ढाँपना	ढुलाई	ढकती
ढलेया	ढूंढना	ढिपनी
ढलवाँ	ढठाई	ढिपानी

4 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द

4 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द नीचे दिए गए हैं:

ढीला-ढाला	ढेलवास	ढकोसला
ढोलीगाना	दुर्घटना	ढलंदर
ढाँपकर	ढीलापन	ढ़ोनेवाला
ढकसोल	ढकहर	ढेलवाश
धक्कनो	ढुलमुल	ढोलीसिंह
ढम-ढम	ढंग-ढर्रा	ढोलीदादा

5 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द

5 अक्षर वाले ढ के अक्षर वाले शब्द नीचे दिए गए हैं:

ढोलीपरिवार	ढुलाईवाला	ढोलीमहल
ढपोरशंख	ढपोरसमख	ढोलीसंगीत
ढूंढते-ढूंढते	ढोलवादक	ढमढमढोल

अन्य 50+ ढ ke Shabd

अन्य 50+ ढ ke Shabd नीचे दिए गए हैं:

ढकना	ढाका	ढिंढोरा	ढुलाना
ढेर	ढकाव	ढालना	ढकेलना
ढुंढाना	ढुलाई	ढकस	ढुकेल
ढाल	ढर्रा	ढाँपी	ढेसू
ढब	ढलाई	ढाक	ढुलाईवाला

ढल	ढाँकना	ढूढ़क	ढमढोल
ढोंग	ढकन	ढोलक	ढहाना
ढीला	ढंकेलना	ढेला	ढाँचा-बाँधना
ढूँढ	ढाँक	ढेल	ढकनी
ढाँचा	ढलवाँ	ढलवटी	ढपली
ढलान	ढुलकना	ढमढम	ढीप
ढोल	ढेकना	ढिमरी	ढगला

ढ के अक्षर वाले वाक्य

ढ के अक्षर वाले वाक्य यहां दिए गए हैं:

- ढोल बजने की आवाज़ आ रही है।
- वह ढलती शाम को देखकर खुश हो गया।
- इस ढलान पर चलना मुश्किल है।
- ढक्कन को अच्छी तरह बंद करो।
- मुझे वह जगह ढूँढनी है जहाँ हम मिले थे।
- ढीला कपड़ा पहनना आरामदायक होता है।
- ढेर सारी किताबें पढ़ने का शौक है।
- वह ढोंग करना बंद करे।
- पहाड़ी पर ढलान से उतरते समय सावधानी रखो।
- इस ढाँचे को ठीक से बनाओ।
- ढकने के लिए कपड़ा कहाँ रखा है?
- तुम्हें चीजें ढूँढने में महारत है।
- ढलाई का काम कठिन होता है।
- ढीले कपड़े में वह ज्यादा आरामदायक लगता है।
- उसे ढोल बजाना बहुत पसंद है।
- ढेर सारी मेहनत के बाद ही सफलता मिलती है।
- यह ढंग से काम करो।
- वह ढलते सूरज को देखने में खो गया।
- ढिंढोरा पीटने की ज़रूरत नहीं है।
- उसने ढोंगी लोगों से दूरी बना ली।
- ढेर सारा खाना तैयार किया गया था।
- हमें ढाई घंटे का समय मिलेगा।
- ढकाव वाली चीज़ों को देखना मुश्किल होता है।
- इस ढांचे को नया डिज़ाइन दिया गया है।
- ढोलक की आवाज़ सुनकर लोग जमा हो गए।
- उसने अपना काम ढीले से किया।
- ढूँढने से भगवान भी मिलते हैं।
- पहाड़ की ढलान बहुत तीव्र है।
- वह ढाबे में खाना खा रहा था।

- ढेर सारी यादें दिल में बसी हैं।
- वह ढोंग दिखाने के लिए मशहूर है।
- उसने ढीला रवैया अपनाया।
- ढलाई का काम रात भर चला।
- ढाल पर चढ़ना मुश्किल होता है।
- ढीले जूतों से चलने में परेशानी होती है।
- हमें ढूँढने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी।
- उसकी ढाल कंधे पर रखी थी।
- ढेर सारे खिलौने बच्चों को पसंद आए।
- ढक कर रखी हुई वस्तुएं सुरक्षित होती हैं।
- इस ढाँचे का निर्माण बहुत समय से हो रहा है।

ढ अक्षर की कहानी?

एक गाँव में ढोलू नाम का लड़का था। ढोलू हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करता था। एक दिन उसने देखा कि गाँव के लोग ढोल बजाकर उत्सव मना रहे हैं। उसने सोचाकि मुझे भी ढोल बजाना सीखना चाहिए। वह ढोल वाले के पास गया और बोला कि मुझे ढोल बजाना सिखाओ। ढोल वाले ने उसे ढेर सारी मेहनत करने की सलाह दे दी। ढोलू ने ढीला रवैया अपनाने के बजाय पूरी मेहनत से ढोल बजाना सीखना शुरू किया। वह रोज़ ढलते सूरज के बाद ढोल की प्रैक्टिस करता था। धीरे-धीरे वह ढंग से ढोल बजाने लग गया। एक दिन गांव में एक बड़ा उत्सव हुआ। गांव में ढेर सारे लोग आए थे। गाँव के प्रधान ने ढोलू से कहा, तुम्हारा ढोल अब इतना अच्छा हो गया है कि तुम्हें उत्सव में बजाना चाहिए।

ढोलू बहुत खुश हुआ। साथ में उसे चिंता भी होने लगी कि कहीं वह ढोल ढंग से ना बजा पाए, लेकिन फिर भी उसने अपने डर पर विजय पाकर पूरी ऊर्जा के साथ ढोल बजाना शुरू किया। उसकी ढम-ढम की आवाज से पूरा गांव झूम उठा। लोगों ने उसकी खूब तारीफ की और उसे गांव का ढोलकिया घोषित कर दिया। उस दिन के बाद ढोलू का नाम गाँव में हर जगह ढोल बजाने वाले के रूप में मशहूर हो गया था। ढोंग करने वाले लोग जो उसे पहले ताने मारते थे। अब वे उसकी तारीफ करने लगे। ढोलू ने भी कभी ढीले मन से काम नहीं किया और हर बार अपने ढोल को ढंग से बजाया। इस तरह ढोलू की मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उसे गांव में एक नई पहचान दिलाई।